Chandi Ki Palki Aur Resham Ki Dori

Chandi Ki Palki Aur Resham Ki Dori
च ांदी की प लकी और रेशम की डोरी,
पलन में झूलें मेरे ब ांकेबबह री,
पलन में झूले मेरे ब ांकेबबह री

कजर रे क रे क रे,मोटे मोटे नैन ॥

देख छवि नटखट की ,जजयर भरे न ॥

अधरों को चूमे मुरललय प्य री,
अांगन में झूले मेरे ब ांकेबबह री
च ांदी की प लकी और रेशम की डोरी।

मोर मुकुट लिर पे,गले बैजांती म ल ॥

ह थो पे कांगन िोए, क ाँधे पे दुश ल ॥

ि िली िलोनी छवि,दुननय िे न्य री,
पलन में खेले मेरे ब ांकेबबह री
च ांदी की प लकी और रेशम की डोरी।

बैठे हैं फूलो में छुपकर केए ॥

लुक्क छुपी खेल रहे भक्तो िे जैिे॥

ठोडी केहीरे िे चमकेबबह री,
प लन में केखेलें मेरे ब ांकेबबह री
च ांदी की प लकी और रेशम की डोरी।

छोटे िे मेरे हैं ब ांकेबबह री ॥

ह थो में िोए मुरली प्य री प्य री ॥

ि िली िलोनी छवि दुननय िे न्य री,
प लन में झूले मेरे ब ांकेबबह री
च ांदी की प लकी और रेशम की डोरी।